वी.यू. के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक दिवसीय किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी जी के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में दिनांक 18-10-2022 को फार्मर फर्स्ट (किसान प्रथम) तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मत्स्य महाविद्यालय के सभागार में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग भारत सरकार नई दिल्ली के माननीय सदस्य श्री सुनील मानसिंह के मुख्य आतिथ्य में आजीविका अर्जन एवं पंचगव्य उत्पादों के महत्व विषय पर एक दिवसीय किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन व अतिथियों के स्वागत उपरांत नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर सीता प्रसाद तिवारी जी के अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया गया कि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर किसानों की आर्थिक उन्नति हेतु विभिन्न शोध के माध्यम से अनवरत प्रयासरत है। विश्वविद्यालय की पंचगव्य इकाई के द्वारा गोमूत्र, गोमय, दूध, दही, एवं घी के द्वारा विभिन्न प्रकार की औषधियों के साथ–साथ जैव नियंत्रण जीवामृत, बीजामृत, अमृत पानी, दीपक, धूप, गोनायल, फ्लोर क्लीनर, इत्यादि उत्पादों का वृहद स्तर पर निर्माण एवं विक्रय किया जा रहा है। तत्पश्चात मुख्य अतिथि श्री सुनील मानसिंह जी द्वारा गाय के गोबर, गोमूत्र, दूध, दही एवं घी का समुचित उपयोग करते हुए विभिन्न शोधों के माध्यम से विभिन्न तरह के उत्पादों का निर्माण करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। कई किसानों की सफलता की कहानी को भी वृहद रूप से बताया गया कि जो किसान कृषि से प्रतिवर्ष हजारों में मुनाफा

कमाते थे, परंतु जब गोपालन करते हुए पंचगव्य आधारित उत्पादों का सफल निर्माण व विक्रय करना प्रारंभ किए तो उनकी आमदनी कई लाखों में पहुंच गई। मुख्य अतिथि के द्वारा किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए देवलापार, नागपुर के लिए आमंत्रित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी आमंत्रित किसानों के द्वारा शपथ भी ली गई कि आज के बाद से कोई भी किसान अपनी किसी भी गोवंश को खुली सड़क में नहीं छोड़ेंगे, और अपने जीवन के अंतिम सांस तक गाय माता को अपने घर पर रखकर ही समुचित व्यवस्था करते हुए रखरखाव करेंगे एवं उनके व मनुष्य के जीवन की रक्षा करेंगे, कृषि भूमि वातावरण को प्रदूषित होने से बचाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र देवलापार नागपुर महाराष्ट्र के बीच शोध के आदान–प्रदान हेतु एक अनुबंध भी हस्ताक्षरित किया गया, इस एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम में 50 किसान तथा मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में निदेशक अनुसंधान डॉ. मधु स्वामी, निर्देशक विस्तार शिक्षा, डॉ. सुनील नायक, निदेशक शिक्षण, डॉ. एस.एस. तोमर, कुलसचिव डॉ. श्रीकांत जोशी, अधिष्ठाता मत्स्य महाविद्यालय डॉ. अजीत प्रताप सिंह की उपस्थित उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. हरी आर, देवेश उपाध्याय प्रतिक तिवारी, इन्दु, शुभेंदु, आशीष यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम का संचालन पंचगव्य इकाई के प्रभारी डॉ. स्यमन्तक मणि त्रिपाठी एवं कार्यक्रम की रूपरेखा निर्माण एवं आभार डॉक्टर सोना दुबे के द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर